

परिचाराण (wie eben) n. *das Bedienen, Pflegen*: प्रूद्धर्मः समाख्यात-  
स्त्रिवर्गपरिचाराणम् MBh. 13, 6464. भवतोः परिचाराणात् (am Ende des  
Çloka) Daç. 2, 47. Eine durch das Metrum bedingte Nebenform von प-  
रिचाराण.

परिचारिक 1) = परिचारकः राजपौरुषिके विप्रे घाण्टिके परिचारिके  
MBh. 13, 6028. — 2) °काः pl. = लाजाः geröstetes Korn H. ५. 97. —  
Vielleicht fehlerhaft. — Das f. °चारिका s. u. परिचारक.

परिचारिन् (von चरू mit परि) adj. 1) *hierhin und dorthin gehend,  
beweglich*: घ्राप एव मनुष्येषु द्रव्यत्यः परिचारिणीः MBh. 12, 8170. —  
2) *bedienend, pflegend, huldigend*: वक्तुं चरती परिचारिणी KHAND. Up.  
4, 4, 2. प्रूद्ध MBh. 12, 2300. त्रिवर्णा° (प्रूद्ध) HARIV. 403. प्रूद्धनादितामि°  
KULL. zu M. 11, 43. अनुद्धपरिचारिता (nom. abstr.) Kām. Ntris. 4, 7. subst.  
Diener, Wärter PANĀV. Br. 13, 4, 17. MBh. 1, 6296.

परिचिन्त (von 1. चि mit परि) adj. *rings aufschichtend* VS. 12, 46. 53.

परिचिति (von 2. चि mit परि) f. *Bekanntheit, vertrauter Umgang*: मेना  
ऽस्माकं दीर्घामभिलषति युष्मत्परिचितिम् Spr. 698. Vgl. परिपाति am Ende.

परिचितक (von चित् mit परि) nom. ag. *der über Etwas (gen.) nach-  
sinnt, nachgedacht hat*: परस्य Būg. P. 3, 32, 8. भूतानाम् MBh. 11, 160.  
धर्मार्थ° 12, 3476.

परिचुम्बन (von चुम्ब mit परि) n. *das Abküssen* KAURAP. 47.

परिच्छद् (क्द् mit परि) = परिच्छद् 2. in der Stelle: सेनापरिच्छद्स्तस्य  
(Schol. in der ed. Calc.: सैन्येन हस्त्यश्वादिना भूपितस्य) RAGH. 1, 19.

परिच्छद् (von 1. क्द् mit परि) m. am Ende eines adj. comp. f. ३. 1) *Decke,  
Ueberwurf*: चैवाग्र° mit einem Tigerfell bedeckt ÇĀÑKH. Çā. 14, 33, 26. व्याघ्र-  
चर्म° HARIV. 12973. MBh. 12, 11275. वर्चस्विनां ब्राह्मणानां स्नातकानां परि-  
च्छद्म्। घ्राच्छद् 2, 789. पालिते ऽपि हि दैतेयैः सांघामिकपरिच्छद्दैः। द्वारे  
HARIV. 14208. — 2) *Alles was man um sich herum hat*: Hausgeräthe, Gerä-  
the, utensilia, Reisebedarf, Reisezeug; Gefolge, Dienerschaft; = उपक-  
रण, तन्त्र, मात्रा, परिवर्ह, परीवाप, परिवार AK. 2, 4, 19, 132. 25, 171.  
179. 187. ३१, 241. H. 716. HALĀJ. 2, 151. ५, 10. 84. गृहं वा सपरिच्छद्म्  
M. 11, 76. सुविभक्त° (यागार) Suçā. 4, 368, 1. परिमष्टपरिच्छदा Būg.  
P. 7, 11, 26. अनर्थपरिच्छदेषु (गृहेषु) 9, 6, 45. कुशमित्पुष्पाणि ist der  
परिच्छद् des Einsiedlers Spr. 408. कलत्रपुत्रमित्रात्तान्गृहान्यप्रपरिच्छ-  
दान् Būg. P. 7, 7, 5. अग्निहोत्रं समादाय गृह्यं चाग्निपरिच्छद्म् M. 6,  
4. क्रीडा° Spielzeug Būg. P. 7, 5, 56. उच्छिष्टमन्नं दातव्यं जीर्णानि  
वसनानि च। पुलाकाश्चैव धान्यानां जीर्णाश्चैव परिच्छदाः॥ M. 10, 125.  
संत्यज्य ग्राम्यमाहारं सर्वं चैव परिच्छद्म् (गवाश्शय्यासनादिपरिच्छद्म्  
KULL.) 6, 3. वक्तुवो ऽविनयान्ना राजानः सपरिच्छदाः 7, 40. सा पारित्या-  
व्याविभूषणपरिच्छदा 9, 78. विवास्या वा भवेद्राष्ट्रात्सद्रव्यः सपरिच्छद्ः  
241. 274. दत्त्वा सो ऽश्वापतिः कन्यो यथार्हं च परिच्छद्म् Siv. 3, 16. MBh.  
1, 4379. ५, 1489. तं यानं शीघ्रमारोप्य सभार्यं सपरिच्छद्म् R. 2, 36, 24. 37,  
25. 46, 28. ऋद्धि° 5, 47, 27. पित्रा कृतपरिच्छद्ः। द्वीपात्तरे गतो ऽभूवम्  
KATHĀS. 22, 61. 31, 33. अपरिच्छद् ohne Reisezeug, ohne Gepäck (= दरिद्र  
KULL.) M. 8, 405. असमेत° ohne Pomp, ohne Gefolge RAGH. 9, 70. कृतपु-  
त्रपरिच्छदा MBh. 14, 2010. HARIV. 8378. R. GORR. 2, 100, 16. मन्त्री दान-  
मानाभ्यां वशीकृतपरिच्छद्ः RAĀG-TAR. 3, 499. परं पारं यौ मितपरिच्छद्ः  
4, 554. KATHĀS. 10, 193. 28, 14. 34, 188. 246. 36, 64. 103. वेशच्छन्नं समा-  
दाय राजपुत्रपरिच्छद्म् 38, 74. 39, 134. 43, 58. VID. 144. Am Ende eines  
IV. Theil.

adj. comp. so v. a. mit dem und dem versehen: प्रास्थापपद्मामाता श्री-  
मती नरवादिना। यानेन भरतश्रेष्ठ क्षत्रपानपरिच्छदाम्॥ N. 17, 22. (प्रा-  
सदिः) मन्दासनपरिच्छद्ः MBh. 1, 6964. 2, 1281. बद्धशस्त्र° (सैन्य) 7, 4443.  
शरीस्तीक्ष्णैः कङ्कपत्रपरिच्छद्दैः 3398. भूमिं सर्वरत्नपरिच्छदाम् 13, 3184.  
राजतात्परिच्छदा (पात्री) mit einem silbernen Rande versehen R. 1, 13, 8.  
कुष्ठपुंनागवकुलभूर्जपत्रपरिच्छदान्। कामिनां संस्तरान् R. GORR. 2, 103, 24.  
(रथ) कार्तस्वर° mit Gold verziert Būg. P. 1, 17, 4. 4, 9, 56. पयःफेननि-  
भाः शय्या दाता रुक्मपरिच्छदाः (nach ÇKDā. ist hier परिच्छद् = आ-  
च्छादन und BURNOUF übersetzt: draps d'or) 61. शय्या मुक्तादामपरिच्छ-  
दाः (BURN. couverts d'étoffes, d'où pendent des guirlandes de perles) 7,  
4, 10. — Vgl. निष्परिच्छद्.

परिच्छन्द m. = परिच्छद् Gefolge H. in Verz. d. Oxf. H. 186, b, Çl.  
33. Die Form wird durch das Versmaass gestützt. HALĀJ. 2, 151 hat die  
v. l. gleichfalls परिच्छन्द für परिच्छद्.

परिच्छन्ति (von 1. क्द् mit परि) f. 1) *genaue Bestimmung* KAP. 1, 88.  
— 2) *Maassbestimmung, Maass* P. 3, 3, 20, Sch.

परिच्छेद (wie eben) m. 1) *Trennung, Scheidung*; Gegens. संश्लेष Suçā.  
1, 91, 8. ÇĀÑK. zu BRH. ĀR. Up. S. 97. als Erkl. von अघधि AK. 3, 4, 10,  
102. — 2) *genaue Unterscheidung, — Bestimmung, das auf's-Reine-  
Kommen mit Etwas* ÇĀÑK. zu BRH. ĀR. Up. S. 306. SĪN. D. 43. उन्मादश्चा-  
परिच्छेद्यश्चेतनाचेतनेषुपि 78, 1. परिच्छेदव्यक्तिर्भवति न पुरःस्थे ऽपि वि-  
षये MĀLAT. 17, 7. परिच्छेदातीत 2. MĀLAT. 23, 14. शक्याशक्यपरिच्छेदं  
कुर्वाद्बुद्ध्या प्रसन्नया Kām. Ntris. 11, 33. 12, 22. सूतकादि° SŪRJAS. 14, 19.  
सुवर्णादीनाम् KULL. zu M. 8, 403. संख्या° P. 5, 2, 41, Sch. प्रमाणमित्या-  
परिच्छेदः Sch. zu P. 6, 2, 4. 2, 1, 8. किं पाण्डित्यं परिच्छेदः Spr. 747. 1716.  
श्यात्रवृद्धप्रतर्कमपरिच्छेदाकुलं मे मनः ÇĀK. 106. — 3) *Abschnitt, Kapitel  
étines Buchs* TRĪK. 3, 2, 24. VJUTP. 44. SĪN. D. Verz. d. Oxf. H. No. 149.  
KSHIRIÇĀV. — Vgl. भाषा°.

परिच्छेदक (wie eben) n. *Maassbestimmung, Maass* P. 2, 3, 46, Sch.

परिच्छेदकर (प° + 1. कर) m. Bez. eines Samādhi VJUTP. 19.

परिच्छेद्य (von क्द् mit परि) adj. *genau zu bestimmen, zu messen* P. 2, 2, 5.  
Sch. तुलापरिच्छेद्यानां सुवर्णरजतादीनाम् KULL. zu M. 8, 321. अ° = अ-  
मित ders. zu 1, 4. प्रत्यतो ऽप्यपरिच्छेद्यो मन्त्रादिर्मन्त्रिणा तत्र RAGH. 10, 29.

परिच्युति (von च्यु mit परि) f. *das Herabfallen*: तैललेश° KATHĀS. 27, 50.

परिज्ञार्थ (von जन्तु mit परि) m. N. pr. P. 6, 2, 146, Sch.

परिजन (परि + जन) m. *Umgebung, Gefolge, Dienerschaft* (insbes. die  
weibliche) AK. 3, 4, 21, 239. H. 716, Sch. SUND. 1, 14. Spr. 87. MBh. 3,  
13094. ५, 3680. 13, 6431. HARIV. 8316 (von den Keshweibern des Kṛ-  
shṇa). R. GORR. 2, 77, 14. 84, 17. BHAR. beim Schol. zu ÇĀK. 22, 23. BHARTṚ.  
3, 16. Spr. 1125. ÇĀK. 24, 15. 17. 93. MĀLAT. 49, 12. 75. ad MBCH. 86. VA-  
NĀH. BRH. S. 43, 12. 104, 27. KATHĀS. 4, 110. 26, 45. 32, 149. 38, 28. 91. 94.  
39, 168. एता न दयिताः पत्युर्नैतासो दयितः पतिः। विनोद्मात्रमेवैता यथा  
परिजनो ऽपरः॥ MĀK. P. 63, 15. PANĀT. 78, 14. 256, 13. 15. 237, 2. 4.  
Spr. 324. 630. DAÇAK. in BENF. Chr. 197, 19. परिजनाङ्गनारत्न RAGH. 19,  
23. ein einzelner Diener (Dienerin) ist gemeint Spr. 731. ÇĀK. 62, 15.  
MĀLAT. 3. pl. KATHĀS. 32, 80. PANĀT. 172, 15. Am Ende eines adj. comp.  
f. ३। VIKR. 33, 13. 43, 9 (an beiden Stellen ist gleichfalls nur eine ein-  
zelne Dienerin gemeint).